Total Pages : 8

2382/P

II Year Arts Examination, 2017

HINDI LITERATURE

Paper–II

(गद्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

इकाई-I

(i) प्रताप नारायण मिश्र किस युग के रचनाकार हैं?

(ii) ''बनारसी एक्का'' कि तरह की विधा है?

इकाई-II

(iii) 'अशोक के फूल' निबन्ध संग्रह के रचनाकार का नाम बताइये।

(iv) विष्णु प्रभाकर द्वारा शरतचन्द्र के जीवनवृत पर लिखी रचना है?

इकाई-III

(v) 'कफन' कहानी के केन्द्रीय पात्रों के नाम लिखिए।

(vi) "बुद्धगुप्त! मेरे लिए सब भूमि मिट्टी है, सब जल तरल है, सब पवन शीतल है। कोई विशेष आकांक्षा हृदय में अग्नि की तरह प्रज्ज्वलित नहीं होती" कथन किस रचना से है तथा किसका है?

इकाई-IV

(vii) अरे तू हाथ उठाके तो देख, "स्त्री ने फुफकारा," कढी खाये! तेरी सींक पर बिलियाँ चलवा दूँ। ..... तेरी आसरनू नहीं हूँ।" कथन किसका है व किसे कहा गया है?

(viii) शरणदाता कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

इकाई-V

(ix) रिपोर्ताज से आप क्या समझते हैं?

(x) प्रेमचन्दोत्तर कहानियों की कोई दो प्रवृत्तियाँ बताइये।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"जो लोग संसार का सामना करके दूसरों के उद्धरार्थ अपना सर्वस्व नाश करने पर कटिबद्ध हो जाते हैं वे मरने के पीछे यश अवश्य पाते हैं, पर कब? जब उस काल के पंच उन्हें अपनाते हैं तभी। पर ऐसे लोग जीते जी आराम से छिन भर नहीं बैठने पाते क्योंकि पंच की इच्छा के विरुद्ध चलना परमेश्वर की इच्छा विरुद्ध चलना है।"

अथवा

3. ''साधारण एक्के के घोड़े भारतीय दरिद्रता के अलबम हैं या यों कहिए कि आजकल स्कूलों और कॉलेजों के अधिकांश विद्यार्थियों की चलती फिरती तस्वीरें हैं। मालूम नहीं, इनके मालिक इन्हें खाने को देते हैं या नहीं, या कितना देते हैं, पर बेचारे जानवर होते हैं बड़े जीवत के।''

इकाई-II

4. '' 'मेरी जन्म भूमि' निबन्ध में द्विवेदी जी ने कल्पना और इतिहास के सहारे अपनी जन्मभूमि का चित्ताकर्षक वर्णन किया है।'' कथन की पुष्टि निबन्ध के आधार पर कीजिए।

अथवा

5. '' 'कबीर साहब से भेंट' निबन्ध में दिनकर जी कबीरदास के सामाजिक, लोकमंगल, विधायक तथा मानवतावादी विचारों को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत किया है।'' कथन की युक्तियुक्त विवेचना कीजिए।

इकाई-III

6. ''पराया मुख'' कहानी के शीर्षक का औचित्य स्पष्ट करते हुए इसमें व्यक्त विचारों को प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

7. ''प्रेमचन्द की कहानी 'कफन' समाज के यथार्थ का बौध कराने वाली सशक्त रचना है।'' कथन की समीक्षा कीजिए।

इकाई-IV

8. 'गदल' कहानी के आधार पर गदल की चारित्रिक विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए।

अथवा

9. ''शरणदाता'' कहानी का कथ्य प्रस्तुत कीजिए।

इकाई-V

10. ''प्रेमचन्दोत्तर कहानी'' विषय पर संक्षेप में लेख लिखिए।

अथवा

11. हिन्दी साहित्य की निम्न विधियों पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए :

(i) रेखाचित्र और संस्मरण

(ii) रिपोर्ताज

खण्ड-स

12. '' 'यात्रा का रोमांस' यात्रावृत में मोहन राकेश ने हिमानी प्रदेश की संकटपूर्ण यात्रा का बड़ा ही सजीव एवं रोमांचक वर्णन किया है।'' कथन को प्रमाणित कीजिए।

13. '' 'सीमा रेखा' एकांकी भारतीय जनतन्त्र की शोचनीय अवस्था की व्यंजना करता है।'' एकांकी के आधार पर समझाइये।

14. कथानक एवं शिल्पगत नवीनता की दृष्टि से ''अंधेरे में'' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

15. ''हिन्दी निबन्ध की विकास यात्रा'' पर निबन्ध लिखिए।